	1993-94		1994-95		1995-96	
	T	A	T	A	T	A*
5. Mandays of work generated under SHASU	91.89	51.50	65.00	13.11	78.38	36.31

T = Targets
A = Achievements
* Upto 29.2.1996

URBAN BASIC SERVICES FOR PO (UBSP)

Cumulative achievement on salient parameters of UBSP as on 31.3.1996

1. No. of towns	301
2. No. of slum pockets selected for coverage	3455
3. No. of beneficiaries covered in these slum pockets (in lakh)	64.99
4. No. of Resident Community Volunteers selected	69228
5. No. of Neighbourhood Committees constituted	7845
6. No. of Community Dovelopment Societies formed	344

Prime Minister's integrated urban poverty eradication programme (PMIUPEP)

PMIUPEP has been launched during 1995-96 and it is expected that it would cover 5 lakh urban poor living in 345 Class-II towns in 1995-96.

Comprehensive renewable energy policy

*34. MAULANA OBAIDULLAH KHAN AZMI: Will the PRIME MINISTER be pleased to state:

(a) whether Government propose to formulate a comprehensive renewable energy policy; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF NONCONVENTIONAL ENERGY SOURCES (DR. S. VENUGOPALACHARI): (a) and (b) The Ministry of Non-Conventional Energy Sources has initiated action for formulation of a comprehensive renewable energy policy which aims at utilising the large potential of renewable energy in the country as a supplement to conventional energy sources. The measures for harnessing renewable energy include financial and fiscal incentives for investors, generation of resources, priority purchase of power from renewable sources by utilities at reasonable prices, mandatory provisions for use of renewables for certain applications, human resource development, research and development and institutional arrangements at the national and State level. The policy aims at ensuring greater use of renewable energy both in rural and urban areas to reduce dependence of non-renewable fossil fuel resources, and to reduce environmental pollution.

मध्य प्रदेश को मलेरिया नियंत्रण हेतु सहायता

*35. **श्री दिलीप सिंह जूदेव:** क्या स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को 1995-96 में मध्य प्रदेश में मलेरिया फैलने और उससे लोगों के मरने एवं पीड़ित होने के संबंध में कोई सूचना प्राप्त हुई है;

(ख) यदि हां, तो इस बीमारी पर नियंत्रण पाने के लिए राज्य सरकार द्वारा मांगी गई और केन्द्रीय सरकार द्वारा प्रदान की गई सहायता का ब्यौरा क्या-क्या है; और

(ग) केन्द्रीय सरकार द्वारा राज्य सरकार को मलेरिया के पुनः फैलने पर नियंत्रण पाने तथा उपचार सुविधाएं प्रतिरोधात्मक क्षमता विकसित करने हेतु दी जा रही सहायता का ब्यौरा क्या है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री सलीम इकबाल शेरवानी): (क) मध्य प्रदेश में 1995-96 के दौरान मलेरिया फैलने की कोई सूचना नहीं थी। तथापि इससे पिछले वर्ष में मलेरिया रोगियों की घटना दर में वृद्धि हुई थी।

(ख) और (ग) 1995-96 और 1996-97 के दौरान मध्य प्रदेश सरकार द्वारा मांगी गई केन्द्रीय सहायता और केन्द्र सरकार द्वारा प्रदान की गई सहायता का ब्यौरा विवरण में संलग्न है।

विवरण

मलेरिया की रोकथाम के लिए मध्य प्रदेश को सामग्री की आपूर्ति

	1995-96		1996-97	
मद	केन्द्र सरकार से राज्य की मांग	केन्द्र सरकार द्वारा की गई आपूर्ति	केन्द्र सरकार से राज्य की मांग	केन्द्र सरकार द्वारा की गई निर्धारित आपूर्ति
1. डीडीटी 50 प्रतिशत	1376 मी०टन	1200 मी०टन	1367 मी० टन	उपलब्ध बजट से 700 मी०टन निर्धारित की गई।
2. बीएचसी 50 प्रतिशत	5605 मी०टन मलेरिया के लिए 700 मी०टन प्लेग के लिए	3353 मी०टन मलेरिया के लिए 700 मी०टन० प्लेग के लिए	530 मी०टन	उपलब्ध बजट से 300 मी०टन निर्धारित की गई। वैसे यह एक विकेन्द्रीकृत मद है।
* 3. क्लोरोक्विन की गोलियां	450 लाख	400 लाख (बीएफ 132 लाख)	800 लाख	तकनीकी आवश्यकता के अनुसार 600 लाख उसमें से: (i) 212.32 लाख आपूर्ति की गई। (ii) 100 लाख आपूर्ति की प्रक्रिया में है। (iii) शेष 287.68 लाख का आपूर्ति के लिए प्रस्ताव किया गया।
4.एमोडियाक्विन गोलियां	15 लाख	15 लाख	शून्य	शून्य
*5.प्राइमाक्विन 2.5 मि०ग्रा० गोलियां	20 लाख	15 लाख (तकनीकी आवश्यकतानुसार के अनुसार)	20 लाख	6 लाख की आपूर्ति की गई (+) 14 लाख आपूर्ति की प्रक्रिया में।
*6.प्राइमाक्विन 7.5 मि०ग्रा० गोलियां	29 लाख	29 लाख	40 लाख	4.9 लाख की आपूर्ति की गई (+) 35 लाख आपूर्ति की प्रक्रिया में

मद	1995-96		1996-97	
	केन्द्र सरकार से राज्य की मांग	केन्द्र सरकार द्वारा की गई आपूर्ति	केन्द्र सरकार से राज्य की मांग	केन्द्र सरकार द्वारा की गई निर्धारित आपूर्ति
7 कूनीन इंजेक्शन	—	10000 एम्प्यूल्स	10000 एम्प्यूल्स	20000 एम्प्यूल्स (आपूर्ति के लिए प्रस्ताव किया गया)
8. फेंन्थियोन	—	2000 लीटर	—	20000 लीटर का प्रस्ताव किया गया
9. टेमेफोस	—	1000 लीटर	—	1850 लीटर का प्रस्ताव किया गया
10. पिरेथरम	—	1500 लीटर	—	2500 लीटर का प्रस्ताव किया गया
11. डीईसी गोलियां	—	—	—	90 लाख का प्रस्ताव किया गया
12. पैरासीटामोल गोलियां	—	—	—	9 लाख का प्रस्ताव किया गया
13. मिक्रोस्कोप्स	—	140	—	—
14. व्हाइकल (जीप)	—	11	—	—

*(i) (औषधों (क्लोरोक्विन और प्राइमक्विन) की आपूर्ति मांग से भिन्न हो सकती है क्योंकि रोग की स्थिति को ध्यान में रखते हुए वर्ष के दौरान तकनीकी आवश्यकता के अनुसार उनकी आपूर्ति का मूल्यांकन किया जाता है।

(ii) 1996-97 के दौरान पंचायतों और अन्य सामुदायिक स्वयंसेवकों को इन गोलियों को प्रदान करने की संशोधित कार्यनीति के अनुसार क्लोरोक्विन की आपूर्ति बढ़ा दी गई है।

पर्वतीय राज्यों तथा क्षेत्रों में पन-बिजली उत्पादन की क्षमता

*36. **श्री महेश्वर सिंह:** क्या **प्रधान मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि देश के मैदानी राज्यों की तुलना में पर्वतीय राज्यों और पर्वतीय क्षेत्रों में पन बिजली का उत्पादन करने की बहुत अधिक संभावनाएं हैं;

(ख) हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर तथा देश के पूर्वोत्तर राज्यों में राज्यवार पन बिजली उत्पादन की कितनी क्षमता है और अब तक कितनी-कितनी क्षमता को दोहन हुआ है; और

(ग) केन्द्रीय सरकार द्वारा पिछले तीन वर्षों में वर्षवार और राज्यवार किस-किस परियोजना के लिए कितनी-कितनी धनराशि सहायता/अनुदान के रूप में प्रदान की गयी?

विद्युत मंत्रालय में राज्य मंत्री (डॉ० एस० वेणुगोपालाचारी): (क) जी, हां।

(ख) जम्मू एवं कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और उत्तर-पूर्वी राज्यों की राज्यवार जल-विद्युत क्षमता तथा अब तक दोहन की गई क्षमता का ब्यौरा विवरण में संलग्न है (**नीचे देखिए**)।

(ग) केन्द्र सरकार द्वारा सामान्यतः राज्यों को उनकी योजनाओं के लिए राष्ट्रीय विकास परिषद् द्वारा अनुमोदित फार्मूलों के अनुरूप ब्लॉक योजना सहायता प्रदान की जाती है। यह सहायता विशिष्ट क्षेत्रों/परियोजनाओं/स्कीमों के लिए नहीं प्रदान की जाती है।